दुई दिवसीय नारी लेखन उत्सव

दार्जीलिङ, २२ सेप्टेम्बर (निसं): साहित्य अकादमी अनि गोर्खा दुःख निवारक सम्मेलनको संयुक्त आयोजनामा नारी लेखन उत्सवको पहिलो अनि दोस्रो सत्र भयो। हिजो प्रथम चरणमा क्षेत्रीय सचिव साहित्य अकादमी (कलकत्ता)-का देवेन्द्रकुमार देवेशले स्वागत सम्बोधन राख्नेसँगै कार्यक्रमको औचित्यबारे भाषा परामर्श समितिका संयोजक डा. जीवन नामदुङले सम्बोधन राखे। सम्बोधनमा पूर्वाञ्चलीय आठवटा भाषाहरूमा नारी लेखनको अवधारणा एकरूपता हुनुपर्ने कुरा उद्देश्य रहेको बताए। छिमेकी भाषाकर्मीसित विचारको आदानप्रदान गर्ने उद्देश्य लिएर कार्यक्रमको आयोजन गरिएको बताए। बीबी गुरुङको अध्यक्षता भएको उक्त कार्यक्रममा उद्घाटन भाषण मनिका मुखियाले राखे। गोर्दुनिस मूलसचिव केशव गुरुङले धन्यवाद ज्ञापन राखे भने अन्य दुईवटा सत्र पनि सौहार्दपूर्ण भयो। पहिलो सत्रमा गीताली बोरा (असमीय), जिनिया मित्र (बङ्गला) अनि रेवती मिश्र (मैथिली)ले कार्यपत्र पठन गरे भने अञ्जु बसुमतारीको अध्यक्षतामा भयो। दोस्रो सत्रमा अमला मुखिया (नेपाली), सुनन्दा प्रधान (ओडिया) अनि सुचित्रा हाँसदा (सन्थाली)ले कविता वाचन गरे भने लाइरेन लाकपाम इबेमहल देवी (मणिपुरी)ले अध्यक्षता गरेका थिए। दोस्रो दिनको तेस्रो अनि चौथो सत्रको कार्यक्रम २२ सेप्टेम्बर हुने भएको जानकारीसँगै भाषा अनि साहित्यप्रेमीहरूलाई आयोजन समितिले स्वागत जनाएको छ।

यसैगरि आज दोस्रो दिन तेस्रो सत्रको कार्यक्रमको अध्यक्षता बसन्ती मोहन्तीले गरे। तेस्रो सत्रमा पूर्वाञ्चलीय भाषाहरूमा समकालीन नारी लेखन विषयमाथि कोइजम शान्तिबाला, देवी (मणिपुर), सुमित्र अविरल (नेपाली) र रानी मुर्मु (सन्थाली)मा आआफ्नो कार्यपत्र प्रस्तुत गरे। सोहीप्रकार चौथो सत्रको अध्यक्षता वीणा ठाकुरले गरे। जसमा रुमी लस्कर बोरा (असमीया), तिलोत्तमा मजुमदार (बंगला) अनि मीरा खेरकातरी (बोडो)द्वारा कथा वाचन गरियो।

दो दिवसीय पूर्वांचलीय नारी लेखक उत्सव शुरू

दार्जिलिंग (निज संवाददाता)। गोर्खा दु:ख निवारक सम्मेलन भवन के पदमा देवान स्मृति सभागार में प्रायोजित दो दिवसीय पूर्वांचलीय नारी लेखक उत्सव के अवसर पर विभिन्न भाषा, साहित्य के साहित्यिक प्रदार्थियों की आज प्रथम दिन व्यापक रूप से उमड़ी भीड़। इस उत्सव का उद्घाटन तथा शुभारंभ दीप प्रज्जवलन से हुआ। गोर्खा दु:ख निवारक सम्मेलन के अध्यक्ष बी.बी.गुरूंग की अध्यक्षता में कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र शुरू हुआ।

इस अवसर पर स्वागत भाषण साहित्य अकादमी, क्षेत्रीय सचिव, कोलकाता के देवेन्द्र देवेश ने दिया। उद्घाटन भाषण प्रख्यात नेपाली लेखिका मणिका मुखिया ने प्रस्तुत

किया। इस अवसर पर साहित्य अकादमी पूर्वांचल परिषद के संयोजक सुबोध सरकार ने उत्सव के बारे में परिचय दिया। साहित्य अकादेमी नेपाली भाषा परामर्श समिति के संयोजक डॉ.जीवन नामदुंग ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

वरिष्ठ साहित्यकार समालोचक डॉ. नामदुंग ने उपस्थित पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि पूर्वांचलीय नारी लेखन उत्सव का मुख्य उद्देश्य नारीवादी लेखन में अपने विचारों को प्रकट करना है। आठ भाषाओं के नारीवादी लेखन के विविध कोण व्याख्या और विश्लेषण करके इस लेखन के ताल मिलते हैं या नहीं। नारीवादी लेखन में सिद्धान्तों और व्यवहारिकता में पार्थक्यता है। डॉ. नामदुंग ने कहा कि नारीवादी लेखन को विकास की गति देने के उद्देश्य से इस उत्सव का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम का प्रथम सत्र अंजु बसुमतारी की अध्यक्षता में शुरू हुआ। पूर्वांचलीय भाषाओं मे समकालीन नारी लेखन सम्बन्धित असमिया गीताली बोरा, जिनिया मित्र बंगला, रेवती मिश्र, मैथिली ने कार्यपत्रों को पढ़ कर प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का द्वितीय सत्र मणिपुरी कवियित्री लाइरेन लाकपाम इवेमहाल देवी की अध्यक्षता में हुआ। इस दौरान पूर्वांचलीय भाषाओं के समकालीन नारी लेखन के विविध भाषा-साहित्यों की वरिष्ठ कवित्रियों में अमला सुब्बा, नेपाली, सुनन्दा प्रधान, ओड़िया, सुचित्रा हंसदा, संथाली शामिल थीं।

इस उत्सव के अवसर पर साहित्य अकादमी की विविध भाषाओं की पुस्तकों को प्रदर्शनी और बिक्री के लिए रखा गया है। यह पूर्वांचलीय नारी लेखक उत्सव साहित्य अकादमी और गोर्खा दु:ख निवारक सम्मेलन के प्रायोजन में 22 सितम्बर तक होगा।